THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SALMAN KHURSHEED): (a) Only one agreement, relating to mutual cooperation in controlling drug trafficking across the Indo-Myanmar border, has so far been signed between India and Myanmar. As it is expected to from the basis for developing channels for exchange of information and intelligence, its implementation is likely to have a positive impact, through structured Indo-Myanmar cooperation, on combating illicit traffic in drugs.

(b) Better coordination between the enforcement agencies of the two countries are expected to result in a substantial curtailment in the level and frequency of illicit trafficking in narcotic and psychotropic substances across the border. This should not only restrict the use of Indian territory as a transit route for drug smuggling, but should also lower the sale of such substances in our North Eastern states; thereby lowering the incidence of drug addiction in this area

Attacks on Indian Business Houses in Dubai

1724. SHRI B. K. HARIPRASAD: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government has taken any cognizance of the reports which appeared in the Economic Times dated 18-4-1993 about attacks on Indian trade and business houses in Dubai by the Islamic fundamentalist outfits comprising of Pakistani expatriates;

(b) if so, whether Government would mount a diplomatic campaign in the Gulf States, to make them realise the danger to their stability and security as a result of unhindered freedom enjoyed by Pakistan expatriates in Gulf states; and

(c) whether Government propose to enlist the support of Egyptian President Hosni Mobarek and the Tunisian Prime Minister Hamed Karoui, Malaysia's Prime Minister Mahatir Mohammed and the Indonesian leader Gen. Suharto who all have expressed serious apprehensions about Pakistan's role in fostering Islamic militancy?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SALMAN KHURSHEED): (a) to (c) Government is aware of the newspaper report, to which reference is made. Every effort has been made to advise Governments of Gulf States about Pakistani support for subversive activities and the support of all friendly countries in curbing such activities has been solicited.

संगठनों द्वारा प्राप्त की गई वित्तीय सहायता

1725. **श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल :** क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1992-93 के दौरान राजनैतिक और गैर-राजनैतिक संगठनों को सहायता के रूप में कितनी रकम प्राप्त हुई ;

(ख) उन संगठनों/व्यक्तियों के नाम क्या हैं जिन्होंने उपर्युक्त रकम प्राप्त की और प्रत्येक ने कितनी-कितनी रकम प्राप्त की; और

(ग) यह सहायता किन-किन देशो से प्राप्त हुई ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सलमान खुर्शीद) : (क) से (ग) विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम, 1976 की धारा 4(1) के अनुसार राजनीतिक संगठनों को विदेशी अंशदान लेने की मनाही है सिवाय उस सीमा तक जिस

तक इस अधिनियम की धारा 8 के अधीन छूट दी गई है । उन संगठनों से जो गैर-राजनीतिक प्रकृति के हैं और जिनके सुनिश्चित सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, आर्थिक तथा शैक्षिक कार्यक्रम है, अपेक्षा की जाती है कि वे विदेशी अंशदान की प्राप्ति/उपयोग से संबंधित लेखे वित्त वर्ष की समाप्ति के 60 दिन के भीतर प्रस्तुत करें। संगठनों द्वारा वर्ष 1992–93 के लिए अपेक्षित सूचना प्रस्तुत करने की अवधि अभी समाप्त नहीं हुई है । इसलिए प्रश्न में मांगी गई सूचना इस समय पेश नहीं की जा सकती है।

पाकिस्तान में सिख यात्रियों को भड़काया जाना

1726. **श्री जगदीश प्रसाद माथुर :** क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 22 अप्रैल, 1993 के नई दिल्ली से निकलने वाले हिन्दी दैनिक के मुख पृष्ठ पर "लाल किले पर हरा परचम फहराने का सपना" शीर्षक से प्रकाशित उस समाचार की ओर दिलाया गया है, जिसमें कहा गया है कि भारत से हाल ही में जो सिख यात्री पाकिस्तान गए थे उन्हें भड़काया गया है;

(ख) इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और

(ग) क्या इस मामले को अन्य देशों के साथ उठाया जायेगा ?

विदेश मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सलमान खुर्शीद) : (क) जी हां।

(ख) सरकार ने राजनयिक सूत्रों के माध्यम से इस मामले को पाकिस्तान की सरकार के साथ उठाया है।

(ग) सरकार भारत विरोधी विध्वंसक गतिविधियों में पाकिस्तान का हाथ होने के बारे में अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय को बताती रही है और बताती रहेगी।

रूस के उप प्रधान मंत्री की भारत यात्रा

1727. **श्री अजीत जोगी :**
श्री छोटू भाई पटेल :

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या रूस के उप प्रधान मंत्री ने जनवरी, 1993 के दौरान भारत की यात्रा की थी और भारतीय नेताओं के साथ वार्ताएं की थीं;

(ख) यदि हां, तो वार्ताओं में कौन-कौन से द्विपक्षीय मुद्दे उठाए गए और उनके क्या निष्कर्ष निकले; और

(ग) इन निष्कर्षों पर क्या अनुवर्ती कार्यवाही की गई है ?

विदेश मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सलमान खुर्शीद) : (क) जी हां।

(ख) और (ग) इस यात्रा का उद्देश्य 27 से 29 जनवरी, 1993 तक रूसी राष्ट्रपति की भारत यात्रा की तैयारी करना था। रुपया-रूबल विनिमय दर के मामले पर भी काफी बातचीत हुई थी। रूसी राष्ट्रपति की यात्रा के दौरान एक करार संपन्न हुआ जो रुपया-रूबल विनिमय दर तथा भूतपूर्व सोवियत समाजवादी गणतंत्र संघ को भारत द्वारा रूबल में देय ऋण को चुकता करने के संबंध में इस दर को लागू करने के बारे में था।